



सत्यमेव जयते

प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार

10 जनवरी, 2023 इन्दौर

Pravasi Bharatiya Samman Award

10 January, 2023 Indore

CITATIONS



प्रवासी भारतीय दिवस
Pravasi Bharatiya Divas

विदेश मंत्रालय
Ministry of External Affairs



प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार

10 जनवरी, 2023 इन्दौर

Pravasi Bharatiya Samman Award

10 January, 2023 Indore

CITATIONS



विशेष सूची

CONTENTS

	पेज नं० / Page No.
1. List of Recipients प्रशस्ति पत्र प्राप्तकर्ताओं की सूची	V-VI
2. Citations प्रशस्ति पत्र	1-27

प्रशस्ति पत्र प्राप्तकर्ताओं की सूची

LIST OF RECIPIENTS

10 जनवरी, 2023

10 January, 2023

		पेज नं०
1.	प्रो. जगदीश चेत्रुपति Prof. Jagadish Chennupati	1
2.	प्रो. संजीव मेहता Prof. Sanjeev Mehta	2
3.	प्रो. दिलीप लाउंडो Prof. Dilip Loundo	3
4.	डॉ. एलेक्जेंडर मालियाकेल जॉन Dr. Alexander Maliakel John	4
5.	डॉ. वैकुण्ठम अय्यर लक्ष्मणन Dr. Vaikuntam Iyer Lakshmanan	5
6.	श्री जोगिंदर सिंह निज्जर Mr. Joginder Singh Nijjar	6
7.	प्रो. रामजी प्रसाद Prof. Ramjee Prasad	7
8.	डॉ. कन्नन अम्बलम Dr. Kannan Ambalam	8
9.	डॉ. अमल कुमार मुखोपाध्याय Dr. Amal Kumar Mukhopadhyay	9
10.	महामहिम डॉ. मोहम्मद इरफान अली H.E. Dr. Mohamed Irfaan Ali	10
11.	सुश्री रीना विनोद पुष्करणा Ms. Reena Vinod Pushkarna	11
12.	डॉ. मकसूदा शरफी श्योतानी Dr. Maqsooda Sarfi Shiotani	12
13.	डॉ. राजगोपाल Dr. Rajagopal	13
14.	श्री अमित कैलाश चंद्र लाठ Mr. Amit Kailash Chandra Lath	14

प्रशस्ति पत्र प्राप्तकर्ताओं की सूची

LIST OF RECIPIENTS

10 जनवरी, 2023

10 January, 2023

		पेज नं०
15.	श्री परमानंद सुखुमल दासवानी Mr. Parmanand Sukhumal Daswani	15
16.	श्री पीयूष गुप्ता Mr. Piyush Gupta	16
17.	श्री मोहनलाल हीरा Mr. Mohanlal Hira	17
18.	श्री संजयकुमार शिवभाई पटेल Mr. Sanjaykumar Shivabhai Patel	18
19.	श्री शिवकुमार नादेसन Mr. Sivakumar Nadesan	19
20.	डॉ. दीवानचंद्रभोज शरमन Dr. Dewanchandrebhose Sharman	20
21.	डॉ. अर्चना शर्मा Dr. Archana Sharma	21
22.	जस्टिस फ्रैंक ऑर्थर सीपरसाद Justice Frank Arthur Seepersad	22
23.	श्री सिद्धार्थ बालचंद्रन Mr. Siddharth Balachandran	23
24.	श्री चंद्रकांत बाबूभाई पटेल Mr. Chandrakant Babubhai Patel	24
25.	डॉ. दर्शन सिंह धालीवाल Dr. Darshan Singh Dhaliwal	25
26.	श्री राजेश सुब्रह्मण्यम Mr. Rajesh Subramaniam	26
27.	श्री अशोक कुमार तिवारी Mr. Ashok Kumar Tiwary	27



प्रो. जगदीश चेन्नूपति

प्रोफेसर जगदीश चेन्नूपति को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

आप एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर और आस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एएनयू) के भौतिक विज्ञान और अभियांत्रिकी शोध स्कूल में सेमीकंडक्टर ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और नैनो टेक्नोलॉजी समूह के प्रमुख हैं। आप आस्ट्रेलियाई विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष चुने जाने वाले भारतीय मूल के सबसे पहले व्यक्ति हैं। आप इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स आईएनसी (आईईईई) के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं।

आपने 2016 में ऑस्ट्रेलिया का उच्चतम नागरिक सम्मान—कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया प्राप्त किया। आपने और आपकी पत्नी ने एएनयू में शोध कार्य करने के लिए भारत के छात्रों की सहायता हेतु 'द चेन्नूपति एंड विद्या जगदीश कल्याण कोष' शुरू किया है।



Prof. Jagadish Chennupati

Prof. Jagadish Chennupati has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Science & Technology and Education.

Prof. Chennupati is a distinguished Professor and Head of Semiconductor Optoelectronics and Nanotechnology Group in the Research School of Physics and Engineering, Australian National University (ANU). He is the first person of Indian origin to be elected as President of the Australian Academy of Science. He has also served as the President of the Institute of Electrical and Electronics Engineers Inc (IEEE).

He received Australia's highest civilian honour 'Companion of the Order of Australia' in 2016. He, along with his wife, has started 'The Chennupati and Vidya Jagadish Endowment' for supporting Indian students in doing research in ANU.



प्रोफेसर संजीव मेहता

प्रोफेसर संजीव मेहता को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

प्रोफेसर मेहता वर्तमान में रॉयल थिम्पू कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर और सामाजिक विज्ञान विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं और आप एक प्रतिष्ठित भूटानी अर्थशास्त्री हैं। आपने एक शिक्षक, शोधकर्ता, पाठ्यक्रम विकासकर्ता, समाचार पत्र स्तंभकार, सरकार और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के परामर्शदाता के रूप में विभिन्न क्षमताओं में भूटान की सेवा की है।

आपको भूटानी समुदाय में एक रोल मॉडल के रूप में देखा जाता है और 2014 में आपको "हिज मैजेस्टीज नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट, सिल्वर मेडल" से नवाजा गया। भूटानी अर्थव्यवस्था पर अपनी हाल की पुस्तक में, आपने भूटान के विकास में भारत के योगदान का भी दस्तावेजीकरण किया है।



Prof. Sanjeev Mehta

Prof. Sanjeev Mehta has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Education.

Prof. Mehta is currently serving as the Professor of Economics and Head of Social Sciences at Royal Thimphu College and is a renowned Bhutanese economist. He has served Bhutan in various capacities- as a teacher, researcher, curriculum developer, newspaper columnist, consultant to the government and to international organizations.

He is considered as a role model by the Bhutanese community and has received “His Majesty's National Order of Merit, Silver Medal” in 2014. In his recent book on Bhutanese economy, he has also documented India's contribution to Bhutan's development.



प्रो. दिलीप लाउंडो

प्रो. दिलीप लाउंडो को कला एवं संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

प्रो. लाउंडो ब्राजील में एक सुप्रसिद्ध इंडोलॉजिस्ट हैं। आपने ब्राजील में वैष्णववाद, शैववाद, शक्तिवाद, उपनिषद और बौद्ध परंपराओं तथा संस्कृत भाषा एवं साहित्य सहित भारतीय धर्मों और दार्शनिक परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य किया है।

आपने ब्राजील में इंडोलॉजिकल स्टडीज में अकादमिक शोध करने के लिए 2010 में जुइज डी फोरा फेडरल यूनिवर्सिटी में भारत के धर्म और दर्शन के अध्ययन के सबसे पहले केंद्र की स्थापना की।



Prof. Dilip Loundo

Prof. Dilip Loundo has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Art & Culture and Education.

Prof. Loundo is an acclaimed Indologist in Brazil. He has relentlessly promoted Indian religions and philosophical traditions in Brazil, including Vaishnavism, Shaivism, Shaktism, Upanishadic and Buddhist traditions and Sanskrit language & literature.

He founded the first-ever Center for the Study of Religions and Philosophies of India at the Juiz de Fora Federal University in 2010 for conducting academic research in Indological studies in Brazil.



डॉ. एलेक्जेंडर मालियाकेल जॉन

डॉ. एलेक्जेंडर मालियाकेल जॉन को चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

ब्रुनेई के सरकारी अस्पतालों में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और एंडोस्कोपिक सेवाओं के विभाग की स्थापना में डॉ. जॉन का महत्वपूर्ण योगदान था। आपने ब्रुनेई में भारतीय चिकित्सा डिग्री को मान्यता प्रदान करने में मदद की है। आप एकमात्र भारतीय नागरिक हैं जिन्हें सेवा में आपकी उत्कृष्टता के लिए दातो सेरी लैला जासा की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

आप ब्रुनेई भारत मित्रता संघ (बीआईएफए) के उपाध्यक्ष हैं। आपने भारत में प्रधानमंत्री कोविड राहत कोष और मुख्यमंत्री बाढ़ राहत कोष जैसे प्रमुख राहत अभियानों का समर्थन किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान आप ब्रुनेई में भारतीय समुदाय के लिए भोजन और आर्थिक सहायता के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।



Dr. Alexander Maliakel John

Dr. Alexander Maliakel John has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Medicine.

Dr. John was instrumental in establishing the Department of Gastroenterology and Endoscopic Services in government hospitals of Brunei. He has helped in accreditation of the Indian Medical degrees in Brunei. He is the only Indian citizen awarded the title of Dato Seri Laila Jasa for his excellence in service.

He is the Vice-President of Brunei India Friendship Association (BIFA). He has supported major relief operations in India like the PM's COVID Relief Fund and CM's Flood Relief fund. During the COVID-19 pandemic, he was actively involved in organizing food and monetary support for the Indian community in Brunei.



डॉ. वैकुण्ठम अय्यर लक्ष्मणन

डॉ. वैकुण्ठम अय्यर लक्ष्मणन को सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. लक्ष्मणन एक प्रख्यात इंडो-कनाडाई हैं और आपने 40 वर्षों से अधिक समय तक सतत विकास के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम किया है। 2021 में आपको परोपकार के क्षेत्र में योगदान और हाइड्रोमेटालर्जी तथा व्यवसाय में विशेषज्ञता के लिए कनाडा के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक 'ऑफिसर टू द ऑर्डर ऑफ कनाडा' के रूप में नियुक्त किया गया था।

आप कनाडा में भारत की महान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने वाले श्रृंगेरी विद्या भारती फाउंडेशन के सह-संस्थापक हैं। आप कनाडा में टोरंटो रिहैब और तमिलनाडु में मोबाइल अस्पतालों सहित कई स्वास्थ्य देखभाल पहलों में सबसे आगे रहे हैं।



Dr. Vaikuntam Iyer Lakshmanan

Dr. Vaikuntam Iyer Lakshmanan has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Community Welfare.

Dr. Lakshmanan is a prominent Indo-Canadian and has worked extensively in the area of sustainable development for over 40 years. In 2021, he was appointed as an 'Officer to the Order of Canada', one of the highest civilian honours of Canada, for his contribution to philanthropy and expertise in hydro-metallurgy and business.

He has co-founded the Sringeri Vidya Bharati Foundation in Canada for promoting India's spiritual and cultural traditions. He is also leading several healthcare initiatives including Toronto Rehab in Canada and mobile hospitals in Tamil Nadu.



श्री जोगिंदर सिंह निज्जर

श्री जोगिंदर सिंह निज्जर को कला एवं संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

आपने 1994 में क्रोएशियाई-इंडियन सोसाइटी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो भारत और क्रोएशिया के लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए काम करती है। श्री निज्जर जाग्रेब में भारत के दूतावास और क्रोएशिया सरकार की सहायता से दोनों देशों के नागरिकों के मध्य कई आउटरीच कार्यकलापों द्वारा भारत और क्रोएशिया के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

आप इंडो-क्रोएशियाई समुदाय के एक प्रमुख सदस्य हैं और आपने शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में भारत के ज्ञान और बुद्धिमत्ता को क्रोएशिया लाने में योगदान दिया है।



Mr. Joginder Singh Nijjar



Mr. Joginder Singh Nijjar has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution to Art & Culture and Education.

He played an important role in founding the Croatian-Indian Society in 1994 which works for promoting ties between people of India and Croatia. Mr. Nijjar has been working for building closer links between India and Croatia by organising multiple people-to-people outreach activities with the support of Embassy of India in Zagreb and Government of Croatia.

He is a prominent member of the Indo-Croatian community and has contributed in bringing the knowledge and wisdom of India to Croatia in multiple fields through education.



प्रो. रामजी प्रसाद

प्रो. रामजी प्रसाद को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

प्रो. प्रसाद एक प्रख्यात इंडो-दानिश वैज्ञानिक और आरहस विश्वविद्यालय, डेनमार्क में प्रोफेसर हैं। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने शोध के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आप सीटीआईएफ ग्लोबल कैम्पस के संस्थापक अध्यक्ष और भारत संबंधी वैश्विक आईसीटी मानकीकरण फोरम के संस्थापक अध्यक्ष हैं। आपने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए भारत में कई सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

आपको 2010 में दानिश दूरसंचार अनुसंधान और शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण में योगदान के लिए डेनमार्क की महारानी द्वारा 'नाइट ऑफ द ऑर्डर ऑफ डेनब्रॉग' से सम्मानित किया गया था।



Prof. Ramjee Prasad



Prof. Ramjee Prasad has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Information Technology.

Prof. Prasad is a prominent Indo-Danish scientist and a professor at Aarhus University, Denmark. He has made important contributions through his research in the field of Information Technology. He is the Founder President of the CTIF Global Capsule and the Founder Chairman of the Global ICT Standardisation Forum of India. He has held a number of seminars and workshops in India to promote cutting edge technology.

He was awarded the 'Knight of the Order of Dannebrog' by the Queen of Denmark in 2010 for his contribution to the internationalization of Danish telecommunication research and education.



डॉ. कन्नन अम्बलम

डॉ. कन्नन अम्बलम को सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. अम्बलम इथियोपिया में वोलगा विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। आप कम लागत वाले पुलों के निर्माण में छात्रों और स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से जोड़कर ग्रामीण अवसंरचना से संबंधित समस्याओं का निवारण करने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। आपके प्रयासों का इथियोपिया में ग्रामीण समुदायों की आजीविका में सुधार पर बड़ा प्रभाव पड़ा है, क्योंकि इन कम लागत वाले पुलों के निर्माण से ग्रामीण-शहरी संपर्क व्यवस्था में सुधार हुआ है, जिससे बाजारों और चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच आसान हुई है और बच्चों को मानसून मौसम में स्कूल जाने में सुविधा हुई है।

आपने 2013 से, 78 कम लागत वाले पुलों का निर्माण किया है और 53 जल झरनों का पुनरुद्धार किया है। डॉ. अम्बलम को उनकी सामाजिक सेवा के लिए इथियोपिया सरकार और वहाँ के लोगों से व्यापक सम्मान मिला है।



Dr. Kannan Ambalam

Dr. Kannan Ambalam has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Community Welfare.

Dr. Ambalam is an Associate Professor at Wollega University in Ethiopia. He has been relentlessly working towards solving rural infrastructure problems by actively engaging students and local communities in constructing low-cost bridges. His efforts have a major impact on improving the livelihoods of rural communities in Ethiopia as these low-cost bridges have improved rural-urban connectivity, thereby providing easy access to markets and medical facilities and enabling children to attend school during the monsoon season.

Since 2013, he has constructed 78 low-cost bridges and revived 53 water springs. Dr. Ambalam has been widely recognised for his social service by the people and the Government of Ethiopia.



डॉ. अमल कुमार मुखोपाध्याय

डॉ. अमल कुमार मुखोपाध्याय को सामुदायिक कल्याण और चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. मुखोपाध्याय हैम्बर्ग में हंसियाटिक इंडिया फोरम के संस्थापक हैं और आपने विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सुंदरबन के गांवों में मानवीय कार्यकलापों के क्षेत्रों में भारत और जर्मनी के बीच संबंधों को बढ़ावा देने में मौलिक योगदान दिया है।

आपने महिलाओं को कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सुंदरबन के दूरदराज के गांवों में सौर ऊर्जा संचालित स्वास्थ्य केंद्र और एक बेकरी की स्थापना की है। ये स्वास्थ्य केंद्र विशेष रूप से सांप के काटने, रेबीज, गर्भवती महिलाओं में आरएच-भिन्नता आदि के लिए दवाएं प्रदान करने में भी सहायता करते हैं।



Dr. Amal Kumar Mukhopadhyay



Dr. Amal Kumar Mukhopadhyay has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Community Welfare and Medicine.

Dr. Mukhopadhyay is the founder of the Hanseatic India Forum in Hamburg and has made seminal contribution in promoting ties between India and Germany in the areas of science and technology, cultural exchange, and humanitarian activities in the villages of the Sundarbans.

He has set up solar-powered health-centers and a bakery unit in remote villages of the Sundarbans to provide skill development & employment opportunities to women. These health centers also help in providing medicines, especially against snake-bites, Rabies, Rh-incompatibility in pregnant women among others.



महामहिम डॉ. मोहम्मद इरफान अली

महामहिम डॉ. मोहम्मद इरफान अली को राजनीति और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. इरफान अली गुयाना गणराज्य के राष्ट्रपति हैं। आप अपने प्रयासों से, गुयाना में नस्लीय मतभेदों को दूर करने में सक्षम रहे हैं और गुयाना की अर्थव्यवस्था का विविधिकरण करके तेल और गैस पर निर्भरता को अधिक सार्वजनिक कल्याण-उन्मुख दृष्टिकोण में परिवर्तित करने लिए कार्य कर रहे हैं। आपने अल्प कार्बन विकास रणनीति के माध्यम से कैरिबियाई जलवायु परिवर्तन जैसे पर्यावरणीय उद्देश्यों को प्राप्त किया।

आपका भारत के प्रति बहुत सम्मान और अपनापन है और आप विभिन्न क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों के लिए बहुत मुखर रहे हैं।



H.E. Dr. Mohamed Irfaan Ali

H.E. Dr. Mohamed Irfaan Ali has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Politics and Community Welfare.

Dr. Irfaan Ali is the President of the Cooperative Republic of Guyana. Through his efforts, he has been able to put aside racial differences in Guyana and has been working to diversify Guyana's economy from oil and gas dependence to a more public welfare-oriented approach. He also championed environmental causes like in Caribbean climate change through a low carbon development strategy.

He has great respect and affinity towards India and has been very vocal in extolling India for its achievements in various sectors.



सुश्री रीना विनोद पुष्करणा

सुश्री रीना विनोद पुष्करणा को व्यवसाय और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

सुश्री पुष्करणा यहूदी-भारतीय विरासत की एक प्रसिद्ध भारतीय शेफ हैं और आपको इजराइल में "करी क्वीन" के रूप में जाना जाता है। आपके निरंतर प्रयासों से इजरायली टेलीविजन और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से इजरायल में भारतीय संस्कृति के बारे में व्यापक जागरूकता फैलाने में सहायता मिली है। आपने अपने पाक राजनय से इजराइल में भारतीय यहूदी समुदाय की आवाज को बुलंद करने और भारत-इजराइल संबंधों को आगे बढ़ाने में भी सहायता की है।



Ms. Reena Vinod Pushkarna

Ms. Reena Vinod Pushkarna has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for her contribution in Business and Community Welfare.

Ms. Pushkarna is a celebrity Indian chef of Jewish-Indian heritage and is popularly known as the “Curry Queen” in Israel. Her continuous efforts have helped in spreading greater awareness about Indian culture in Israel through Israeli television and social media platforms. She has also helped in strengthening the voice of the Indian Jewish community in Israel and furthering the India-Israel relations through her culinary diplomacy.



डॉ. मकसूदा सरफी श्योतानी

डॉ. मकसूदा सरफी श्योतानी को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

आप इशिकावा इंडियन एसोसिएशन (1990) की संस्थापक और निदेशक हैं जो भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है। आपने भारत और जापान के बीच शिक्षा, व्यवसाय और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं।

आपने 1988 में इशिकावा इंटरनेशनल लाउंज की स्थापना की और आप इशिकावा प्रान्त में रहने वाले विदेशी छात्रों के लिए काम कर रही हैं। आप कश्मीर जापान छात्रवृत्ति (केजेएस) के माध्यम से कश्मीर की महिला छात्रों की सहायता भी कर रही हैं। आपने भारत और इसकी संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक व्यवस्थाओं पर कई पुस्तकें प्रकाशित की हैं जिससे जापान में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायता मिली है।



Dr. Maqsooda Sarfi Shiotani

Dr. Maqsooda Sarfi Shiotani has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for her contribution in Education.

She is the Founder and Director of Ishikawa Indian Association (1990) which works for the promotion of Indo-Japan bilateral relations. She has made great efforts in enhancing India's prestige through education, business and cultural activities between India and Japan.

She established the Ishikawa International Lounge in 1988 and has been working for foreign students in Ishikawa Prefecture. She is also assisting female students in Kashmir through Kashmir Japan Scholarship (KJS). She has a number of publications on India and its culture, history and social systems which has helped in promoting Indian culture in Japan.



डॉ. राजगोपाल

डॉ. राजगोपाल को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. राजगोपाल मेक्सिको के टेक्नोलॉजिको डी मॉन्टिअरी में प्रतिष्ठित प्रोफेसर और बोस्टन विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर हैं। आप कला, निर्माण और वाणिज्य प्रोत्साहन की रॉयल सोसाइटी, लंदन के लाइफ फेलो हैं। आपने पारंपरिक प्रक्रियाओं में परिवर्तन के माध्यम से भारत में ग्रामीण विकास, कृषक समुदायों और महिला उद्यमिता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपने सामाजिक प्रयोगशालाओं के माध्यम से 1984 से 2001 तक कृषि और गैर-कृषि उद्यमियों के बीच व्यवसाय उन्मुखीकरण का संचार किया। आपको भारत और मैक्सिको की उच्च शिक्षा प्रणालियों के बीच तालमेल बनाने का श्रेय भी दिया जाता है।



Dr. Rajagopal

Dr. Rajagopal has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Education.

Dr. Rajagopal is a distinguished Professor at Tecnológico de Monterrey, Mexico and a visiting Professor at Boston University. He is a Life Fellow of the Royal Society for Encouragement of Arts, Manufacture and Commerce, London. He has made a seminal contribution to rural development, farming communities and women entrepreneurship in India through transformation of conventional practices. Through social laboratories, he has infused business orientation among farm and non-farm entrepreneurs from 1984 to 2001. He is also credited for creating synergy between the higher education systems of India and Mexico.



श्री अमित कैलाश चंद्र लाठ

श्री अमित कैलाश चंद्र लाठ को व्यवसाय और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री लाठ पोलैंड के उद्यमी और समाजसेवी हैं जो शारदा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मैनेजिंग पार्टनर के रूप में कार्य कर रहे हैं। आपने भारत और पोलैंड के बीच व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा दिया है। आप पोलैंड में रहने वाले भारतीय समुदाय की सहायता करते रहे हैं और आपने ऑपरेशन गंगा के दौरान पोलैंड के रास्ते यूक्रेन से निकाले गए भारतीय नागरिकों के लिए आवास और परिवहन की व्यवस्था करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आप अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद कई दिनों तक रेज्जो में भारतीय छात्रों के लिए उपलब्ध कराए गए होटल शेल्टर में पूर्णकालिक समन्वयक थे।



Mr. Amit Kailash Chandra Lathi

Mr. Amit Kailash Chandra Lathi has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Business and Community Welfare.

Mr. Lathi is an entrepreneur and philanthropist in Poland, serving as the Managing Partner of Sharda Group of Companies. He has promoted business ties between India and Poland. He has been helping the Indian community in Poland and played an indispensable role during Operation Ganga by arranging accommodation and transport for Indian citizens to evacuate out of Ukraine via Poland. Despite his busy schedule, he was the full-time coordinator for several days at the hotel shelter for Indian students in Rzeszow.



श्री परमानंद सुखुमल दासवानी

श्री परमानंद सुखुमल दासवानी को सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री दासवानी कांगो गणराज्य में सबसे पहले व्यवसाय स्थापित करने वाले भारतीयों में से एक हैं। आपकी कंपनी रीगल ग्रुप कांगो ने 140 से अधिक भारतीय प्रवासियों और 1000 स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। आपने 1982 से कांगो में भारतीय दूतावास खोलने के लिए लगातार काम किया है और हमेशा उन भारतीयों की मदद की है जो इस क्षेत्र में संघर्ष और गृह युद्ध के शिकार हो गए थे।

आपके अनुकरणीय कार्यों के कारण भारत सरकार ने आपको 2002 में भारत के प्रधान कौंसल के मानद सम्मान से सम्मानित किया था।



Mr. Parmanand Sukhumal Daswani

Mr. Parmanand Sukhumal Daswani has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Community Welfare.

Mr. Daswani is one of the first Indians to establish a business in the Republic of Congo. His company Regal Group Congo has created employment opportunities for over 140 Indian expatriates and 1000 locals. He had worked relentlessly for the opening of the Indian Embassy in Congo since 1982 and has always helped fellow Indians who became victims of conflicts and civil wars in the region.

Due to his exemplary work, the Indian Government had conferred upon him the honor of Honorary Consul General of India in 2002.



श्री पीयूष गुप्ता

श्री पीयूष गुप्ता को व्यवसाय के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री गुप्ता डीबीएस बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हैं और आपको सिंगापुर के भारतीय व्यवसायियों का प्रतिनिधि माना जाता है। आपने भारत में डीबीएस बैंक द्वारा लक्ष्मी विलास बैंक के अधिग्रहण और हैदराबाद में डीबीएस बैंक प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें 4,000 आईटी व्यवसायी कार्यरत हैं। आप "द सीईओ 100" के हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू – 2019 संस्करण की सूची में शामिल थे और आपको 2021 में इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा "ग्लोबल इंडियन ऑफ द ईयर 2020" का खिताब दिया गया था।

आप इस बात के मुखर समर्थक रहे हैं कि सिंगापुर, विशेष रूप से आईटी और वित्त क्षेत्रों से संबंधित भारतीय व्यवसायियों के प्रति मैत्रीपूर्ण रवैया बनाए रखे।

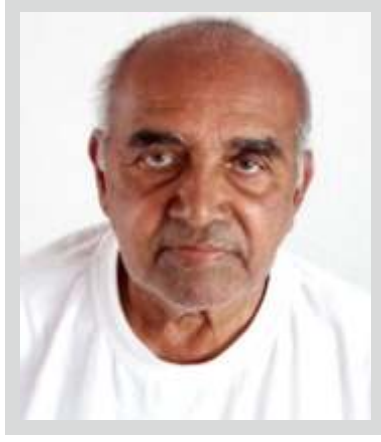


Mr. Piyush Gupta

Mr. Piyush Gupta has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Business.

Mr. Gupta is the CEO of DBS Bank, and is the face of Indian professionals in Singapore. He was instrumental in DBS Bank's acquisition of Lakshmi Vilas Bank in India and in setting up DBS Bank's technology centre in Hyderabad, employing 4,000 IT professionals. He was on the list of 2019 edition of “The CEO 100” of the Harvard Business Review and was named “Global Indian of the Year 2020” by the Economic Times in 2021.

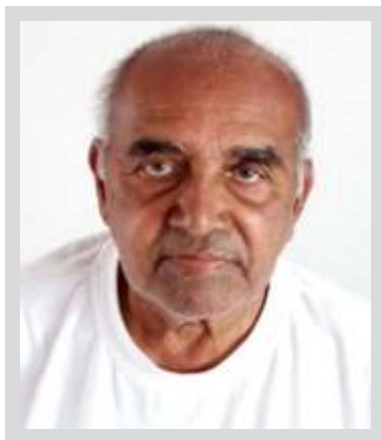
He has been a vocal advocate of Singapore continuing to welcome Indian professionals, especially in the IT and finance sectors.



श्री मोहनलाल हीरा

श्री मोहनलाल हीरा को सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री हीरा दक्षिण अफ्रीका के सबसे पुराने गांधीवादियों में से एक हैं और उन्होंने गांधीवादी विरासत को जीवित रखने तथा जोहान्सबर्ग के पास स्थित प्रतिष्ठित गांधीवादी साइट टॉलस्टॉय फार्म को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके मौलिक प्रयासों के कारण, टॉलस्टॉय फार्म को अब महात्मा गांधी रिमेंबरेन्स ओर्गनाईजेशन के रूप में कानूनी मान्यता प्राप्त है, यह एक ऐसी संस्था है जो उनसे नजदीकी तौर पर जुड़ी हुई है।



Mr. Mohanlal Hira



Mr. Mohanlal Hira has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Community Welfare.

Mr. Hira is one of the oldest Gandhians in South Africa and has played a pivotal role in keeping the Gandhian legacy alive and reviving the iconic Gandhian site Tolstoy Farm, located near Johannesburg. Due to his seminal efforts, the Tolstoy Farm now has a proper legal title in favour of Mahatma Gandhi Remembrance Organization, a trust closely associated with him.



श्री संजयकुमार शिवभाई पटेल

श्री संजयकुमार शिवभाई पटेल को व्यापार और सामुदायिक कल्याण के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री पटेल दक्षिण सूडान में भारतीय संघ के अध्यक्ष हैं। दक्षिण सूडान में 2013–2018 के जातीय संघर्ष के दौरान आपने अपना सुपरमार्केट चलाकर असाधारण धैर्य, सहनशीलता और मानवता का परिचय दिया जिससे आपको आम जनता और नेताओं के बीच सम्मान प्राप्त हुआ।

आपके परोपकारी कार्यकलापों ने अपार सद्भावना पैदा की है तथा दक्षिण सूडान में भारत और भारतीयों के बारे में बेहतर समझ को बढ़ावा दिया है। आपने अपने खर्च पर दक्षिण सूडान में एकमात्र हिंदू मंदिर की स्थापना की और उसका प्रबंधन कर रहे हैं, जिससे देश में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा मिला।



Mr. Sanjaykumar Shivabhai Patel

Mr. Sanjaykumar Shivabhai Patel has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for Business and Community Welfare.

Mr. Patel is the Chairman of the Indian Association in South Sudan. During the 2013-2018 ethnic strife in South Sudan, he showed extraordinary fortitude, resilience and humanity by running his supermarket, which earned him honour among the general population and the leadership.

His charitable activities have generated immense goodwill and fostered better understanding of India and Indians in South Sudan. He established and is managing the only Hindu temple in South Sudan at his own cost, thereby promoting Indian culture in the country.



श्री शिवकुमार नादेसन

श्री शिवकुमार नादेसन को सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री शिवकुमार नादेसन एक्सप्रेस अखबार के प्रबंध निदेशक हैं जो तमिल भाषा के अग्रणी समाचार पत्र— 'वीरकेसरी' का प्रकाशन करते हैं। आपने भारतीय हितों और संस्कृति को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया और श्रीलंका में भारतीय मूल के लोगों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया है। अपने कोविड-19 महामारी के दौरान श्रीलंका में फंसे भारतीय नागरिकों के लिए भी एक अनुदान कोष की शुरुआत की।

आपने कई भारतीय कलाकारों को श्रीलंका में प्रदर्शन हेतु आमंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और स्वामी विवेकानंद संस्कृति केंद्र में कर्नाटक संगीत का प्रदर्शन करने के लिए पारंपरिक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन का समर्थन किया।



Mr. Sivakumar Nadesan



Mr. Sivakumar Nadesan has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Community Welfare.

Mr. Nadesan is the Managing Director of Express Newspapers, which publishes the leading Tamil language newspaper - 'Virakesari'. He has been promoting Indian interests and culture and relentlessly working for the welfare of Indian origin people in Sri Lanka. He also initiated a fundraiser to assist stranded Indian citizens during the COVID-19 pandemic.

He has been instrumental in inviting Indian artists to perform in Sri Lanka and has also supported the Swami Vivekananda Culture Center in implementing traditional programs highlighting Carnatic music.



डॉ. दीवानचंद्रभोज शरमन

डॉ. दीवानचंद्रभोज शरमन को सामुदायिक कल्याण के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. शरमन सूरीनाम की डी नेशनल असेंबली (डीएनए) के उपाध्यक्ष हैं। आप एक चिकित्सक होने के नाते 1994 से आत्महत्या निवारण और रोकथाम में लगे हुए हैं। आप डीएनए में मानवाधिकार समिति के अध्यक्ष हैं और अक्सर आत्महत्या का प्रयास करने वाले रोगियों की सहायता संबंधी मंचों पर लगातार व्याख्यान दे चुके हैं।

आप सूरीनाम में हिंदी और सारनामी भाषा तथा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। आप विभिन्न आर्य समाज संगठनों के बोर्ड के सदस्य हैं तथा हिंदू स्वयंसेवक संघ सूरीनाम के समर्थक हैं।



Dr. Dewanchandrebose Sharman

Dr. Dewanchandrebose Sharman has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for Community Welfare.

Dr. Sharman is the Vice Chairperson of De Nationale Assemblée (DNA) of Suriname. Being a Doctor, he has been engaged in suicide intervention and prevention since 1994. He is the Chairman of the Committee on Human Rights in the DNA and has frequently spoken at platforms meant for helping suicide patients.

He is also working towards promotion of Hindi & Sarnami language and Indian culture in Suriname. He is a Board member of different Arya Samaj organizations and a supporter of Hindu Swayamsevak Sangh Suriname.



डॉ. अर्चना शर्मा

डॉ. अर्चना शर्मा को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

आप सीईआरएन में पार्टिकल फिजिसिस्ट हैं और हिग्स बोसोन की अभूतपूर्व खोज में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। आपकी दृढ़ता और तकनीकी प्रगति ने सबसे बड़े जीईएम डिटेक्टर सिस्टम की स्थापना के साथ सीएमएस प्रयोग में दुनिया को पहली बार प्रेरित किया है।

आपने लाइफ लैब फाउंडेशन नामक एनजीओ स्थापित करके शिक्षा, अनुसंधान और वैज्ञानिकों व छात्रों के आदान-प्रदान का भी समर्थन किया है। आप एसएएचईपीआई (साउथ एशियन हाई एनर्जी फिजिक्स इंस्ट्रुमेंटेशन) और एसएएसईपी (साउथ एशिया साइंस एजुकेशन प्रोग्राम) नामक कार्यक्रमों को संस्थागत बनाकर भारत को जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही हैं। आपने क्वार्कनेट इंडिया नामक पहल से, भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका के उन्नत शिक्षाविदों के साथ जोड़ा है।



Dr. Archana Sharma

Dr. Archana Sharma has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for her contribution in Science & Technology.

Dr. Sharma is a particle physicist at CERN, and the only Indian to be involved in the ground-breaking Higgs Boson discovery. Her perseverance and efforts led to a breakthrough in the discipline of radiation detectors, and led to world's first CMS Experiment with the installation of the largest GEM detector system.

She also supports education, research and exchanges among scientists and students through her NGO Life Lab Foundation. She is engaging in India by institutionalizing programs called SAHEPI (South Asian High Energy Physics Instrumentation) and SASEP (South Asia Science Education Program). She has spearheaded an initiative, QUARKNET INDIA linking India with advanced pedagogues in the USA.



जस्टिस फ्रैंक आर्थर सीपरसाद

न्यायमूर्ति फ्रैंक आर्थर सीपरसाद को सामुदायिक कल्याण और शिक्षा के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

न्यायमूर्ति सीपरसाद एक प्रसिद्ध न्यायविद् हैं और आपको अप्रैल 2012 में त्रिनिदाद और टोबैगो के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। आप एक सम्मानित राष्ट्रीय व्यक्तित्व हैं, जो सत्याग्रह के गांधीवादी सिद्धांत को अपनाने का प्रचार करते हैं और 'पंचायत' को एक प्रभावशाली विवाद निपटान तंत्र मानते हैं।

आप नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर अपने निर्णयों के लिए जाने जाते हैं और भारतीय न्यायाधीशों की "नागरिक केंद्रित सक्रियता" का अनुकरण करते हैं। आप एक ऐसे संविधान का आह्वान करते हैं जो भारतीय संविधान की प्रासंगिकता और सापेक्षता को दर्शाता है। आप ह्यू वुडिंग लॉ स्कूल में एसोसिएट ट्यूटर भी हैं।



Justice Frank Arthur Seepersad

Justice Frank Arthur Seepersad has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for Community Welfare and Education.

Justice Seepersad is a well-known Jurist and was appointed as a Judge of the Supreme Court of Trinidad and Tobago in April 2012. He is a respected national figure, who propagates the adoption of the Gandhian principle of Satyagraha and recommends 'Panchayat' as an effective dispute resolution mechanism.

He is well regarded for his decisions on citizens' fundamental rights and emulates the “citizen focused activism” of Indian judges. He calls for a constitution which mirrors Indian Constitution's relevance and relatability. He is also an Associate Tutor at the Hugh Wooding Law School.



श्री सिद्धार्थ बालचंद्रन

श्री सिद्धार्थ बालचंद्रन को व्यवसाय और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

आप एक प्रसिद्ध भारतीय व्यवसायी हैं, जो अपनी कंपनी बुइमर्क कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीसीएल) के माध्यम से भारत और संयुक्त अरब अमीरात में परोपकारी और धर्मार्थ कार्यों से जुड़े हैं। बीसीएल ने भारत में बुनियादी ढांचे और कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश और रोजगार सृजित किया है। आप साइंस इंडिया फोरम, यूएई द्वारा वैज्ञानिक ज्ञान को विकसित कर रहे हैं।

आपके संरक्षण में विकसित अल्फा पैलिएटिव सेंटर वंचित लोगों को प्रशामक देखभाल प्रदान करता है। आपने कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कामगारों की स्वदेश वापसी कराने और उन्हें राहत प्रदान करने में उल्लेखनीय भूमिका अदा की है।



Mr. Siddharth Balachandran

Mr. Siddharth Balachandran has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Business and Community Welfare.

Mr. Balachandran is a renowned Indian businessman who is greatly involved in philanthropic and charitable activities in India and UAE through his company Buimerc Corporation Ltd (BCL). BCL has generated significant investments and employment in India in the field of infrastructure and skill development. He is inculcating scientific knowledge through the Science India Forum, UAE.

The Alpha Palliative Centre, developed under his patronage provides palliative care to the underprivileged people. He also played an important role in the repatriation of Indian workers to India and providing them with relief during the COVID-19 pandemic.



श्री चंद्रकांत बाबूभाई पटेल

श्री चंद्रकांत बाबूभाई पटेल को मीडिया के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री पटेल वित्तीय परामर्शदाता हैं जो अनेक संगठनों के साथ उनके संरक्षक, अध्यक्ष, प्रमुख या समिति सदस्य के रूप में विभिन्न क्षमताओं में कार्य कर रहे हैं और अपने काम के लिए भारतीय समुदाय में आपका काफी सम्मान हैं। आप "गुजरात समाचार" और 'एशियन वॉयस' के प्रकाशक और प्रधान संपादक हैं। अपने प्रकाशनों के माध्यम से आपने यूके में भारतीय डायस्पोरा को बढ़ावा दिया है और नस्लीय भेदभाव, राष्ट्रियता और आप्रवासन के मुद्दों पर अभियान चलाए हैं।

आपने यूनाइटेड किंगडम, पूर्वी अफ्रीका और भारत में महत्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए धन जुटाने में भी सहायता की है।



Mr. Chandrakant Babubhai Patel

Mr. Chandrakant Babubhai Patel has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Media.

Mr. Patel is a financial consultant, working with several organisations in various capacities as their Patron, Chairman, President or Committee member and is well respected in the Indian community for his work. He is the Publisher and Editor-In-Chief of 'Gujarat Samachar' and 'Asian Voice'. Through his publications, he has promoted Indian Diaspora in UK and has campaigned on issues of racial discrimination, nationality and immigration.

He has also helped raise funds for worthy causes in the United Kingdom, East Africa and India.



डॉ. दर्शन सिंह धालीवाल

डॉ. दर्शन सिंह धालीवाल को व्यवसाय और सामुदायिक कल्याण के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

डॉ. धालीवाल बल्क पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के संस्थापक और अध्यक्ष हैं, जो कि संयुक्त राज्य अमेरिका में दुनिया के सबसे बड़े स्वतंत्र पेट्रोलियम और सुविधा स्टोर संचालकों में से एक है। आपने उत्तरी भारत में प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर को विकसित करने और नियंत्रित पर्यावरणीय कृषि (सीईए) में अत्यधिक योगदान दिया है।

आपके परोपकारी और मानवतावादी प्रयासों से प्राकृतिक संकटों जैसे टाइफून, बाढ़, बीमारी और स्वच्छता की कमी से प्रभावित समुदाय सकारात्मक रूप से लाभान्वित हुए हैं। आपने सिख अध्ययन में कई कार्यक्रमों को प्रायोजित किया है और संयुक्त राज्य अमेरिका में पढ़ाई के लिए भारतीय छात्रों के लिए हजारों छात्रवृत्तियां प्रदान की हैं।



Dr. Darshan Singh Dhaliwal

Dr. Darshan Singh Dhaliwal has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Business and Community Welfare.

Dr. Dhaliwal is the Founder and Chairman of Bulk Petroleum Corporation - one of the world's largest independent petroleum and convenience store operators in USA. He has greatly contributed in the development of technology business incubators in Northern India and Controlled Environment Agriculture (CEA).

His philanthropic and humanitarian endeavors have positively impacted communities affected by natural crises such as typhoons, floods, disease and lack of sanitary conditions. He has sponsored numerous programs in Sikh studies and provided thousands of scholarships for Indian students to study in the USA.



श्री राजेश सुब्रह्मण्यम

श्री राजेश सुब्रह्मण्यम को व्यवसाय के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री सुब्रह्मण्यम फेडेक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। आपने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत को राहत पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपके नेतृत्व में फेडेक्स ने मई और जून 2021 में भारत को तीन बोइंग 777एफ चार्टर उड़ानों के माध्यम से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स, पीपीई किट और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की। फेडेक्स चार्टर्स ने गैर-लाभकारी सहभागियों और ग्राहकों के सहयोग से 50,000 से अधिक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स को भारत पहुँचाया।

यूएस-भारत रणनीतिक सहभागिता मंच के सदस्य के रूप में आपने भारत में महत्वपूर्ण निवेश किया है जिससे भारत और यूएस के बीच सहभागिता बढ़ी है।



Mr. Rajesh Subramaniam

Mr. Rajesh Subramaniam has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Business.

Mr. Subramaniam is the President and CEO of FedEx Corporation. He played an important role in organizing relief for India during the COVID-19 pandemic. Under his leadership, FedEx donated three Boeing 777F charter flights of oxygen concentrators, PPE kits, and other critical supplies to India in May and June 2021. FedEx charters moved more than 50,000 oxygen concentrators to India in collaboration with non-profit partners and customers.

As a member of the U.S.-India Strategic Partnership Forum, he has significantly invested in India, advancing partnership between India and US.



श्री अशोक कुमार तिवारी

श्री अशोक कुमार तिवारी को व्यवसाय के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित किया गया है।

श्री तिवारी उज्बेकिस्तान में प्रवासी भारतीयों के सबसे बड़े संगठन इंडिया क्लब ताशकंद के संस्थापक सदस्य और अध्यक्ष हैं। आपने उज्बेकिस्तान में भारत की दृश्यता और छवि को बढ़ाया है और उज्बेकिस्तान में पहली भारतीय डायस्पोरा पत्रिका, "वार्षिक दर्पण" प्रारंभ की है।

आप उज्बेकिस्तान में मैसर्स शायना फार्म नामक एक दवा कंपनी के मालिक हैं जो अपने 70 प्रतिशत उत्पाद भारत से मंगाती है, जिससे भारतीय निर्यात और 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को बढ़ावा मिल रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान, आपने और आपकी कंपनी ने भारत को राहत आपूर्ति, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स और सिलेंडर प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



Mr. Ashok Kumar Tiwary



Mr. Ashok Kumar Tiwary has been awarded the Pravasi Bharatiya Samman Award for his contribution in Business.

Mr. Tiwary is a founding member and Chairman of the India Club Tashkent, Uzbekistan's largest organization of the Indian Diaspora. He has enhanced the visibility and the image of India in Uzbekistan and has launched the first ever Indian Diaspora magazine in Uzbekistan, “Varshik Darpan”.

He leads a pharmaceutical company called M/s. Shayana Farm in Uzbekistan, which has been sourcing 70 percent of their products from India, thereby promoting Indian exports and 'Make in India' initiative. During the COVID-19 pandemic, he and his company were instrumental in providing relief supplies, oxygen concentrators and cylinders to India.

